**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1661

उत्‍तर देने की तारीख: 27.12.2018

**विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं**

**1661. श्री रिपुन बोराः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने कृपा करेंगे किः

(क) क्या किसी अध्ययन से यह पता चला है कि निजी स्कूलों में 10 में से 1 बच्चा मोटापे और उच्च रक्तचाप से ग्रसित है;

(ख) क्या सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों में कम वजन और अधिक कोलेस्ट्रॉल बड़ी समस्याएं हैं;

(ग) क्या हार्वड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों पर आर्थिक हानियों तथा स्वास्थ्यगत व्यय के संबंध में सर्वेक्षण किया है; और

(घ) विद्यार्थियों की स्वास्थ्य रक्षा करने के लिए सरकार की योजनाओं अथवा प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क): ऐसी कोई अध्‍ययन रिपोर्ट प्राप्‍त नहीं हुई है।

(ख): स्‍वास्‍थ्‍य और परिवार कल्‍याण मंत्रालय ने सूचित किया है कि राष्‍ट्रीय परिवार स्‍वास्‍थ्‍य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) सरकारी स्‍कूलों के बच्‍चों में कम वजन की संभावना का पता नहीं लगाता है। तथापि, राष्‍ट्रीय बाल स्‍वास्‍थ्‍य कार्यक्रम (आरबीएसके) के माध्‍यम से राष्‍ट्रीय स्‍वास्थ्‍य मिशन (एनएचएम) के तहत 6 से 18 आयु वर्ग के लगभग 83 हजार बच्‍चे वित्‍तीय वर्ष 2017-18 में बहुत दुबले-पतले पाए गए।

(ग): ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्‍त नहीं हुई है।

(घ): राष्‍ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने रक्‍तचाप, मोटापा, मधुमेह आदि जैसी बीमारियों के बारे में अपनी पाठ्यपुस्‍तकों और अन्‍य अनुपूरक सामग्रियों में सूचना शामिल की है। जीवन शैली से संबंधित बीमारियों जैसे रक्‍तचाप, हाइपरटेंशन आदि के इलाज से संबंधित सामग्री माध्‍यमिक स्‍तर पर स्‍वास्‍थ्‍य और शारीरिक शिक्षा के पाठ्यचर्या में शामिल की गई है। केंद्रीय माध्‍यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपने सभी संबद्ध स्‍कूलों में जंक फूड परोसने से परहेज करने की सलाह दी है, क्‍योंकि ये विद्यार्थियों के स्‍वास्‍थ्‍य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और स्‍कूलों में पौष्टिक भोजन को प्रोत्‍साहित करने के निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने व्‍यापक स्‍कूल स्‍वास्‍थ्‍य नीति के तहत स्‍कूल स्‍वास्‍थ्‍य नियम पुस्तिका भी प्रकाशित की है, जो संबद्ध स्‍कूलों में पढ़ने वाले बच्‍चों के स्‍वास्‍थ्‍य मामलों पर फोकस करती है।

स्‍वास्‍थ्‍य और परिवार कल्‍याण मंत्रालय और स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने स्‍कूल स्‍तर पर एकीकृत, चरणबद्ध तरीके से स्‍वास्‍थ्‍य सेवाओं में उन्‍नत पहुंच के साथ स्‍वास्‍थ्‍य देखभाल के उपचारात्‍मक और प्रोत्‍साहक पहलुओं को सशक्‍त करने के लिए आयुष्‍मान भारत के तहत संयुक्‍त रूप से स्‍कूल स्‍वास्‍थ्‍य कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। कार्यक्रम के प्रचालनात्‍मक दिशा-निर्देश अप्रैल, 2018 में जारी किए हैं।

**\*\*\*\*\***